हसरतें

श्रीमती आभा सन्ड

Copyright © 2019, Mrs. Abha Sand
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system now known or to be invented, without permission in writing from the publisher, except by a reviewer who wishes to quote brief passages in connection with a review written for inclusion in a magazine, newspaper or broadcast.

Published in India by Prowess Publishing,
YRK Towers, Thadikara Swamy Koil St, Alandur,
Chennai, Tamil Nadu 600016

ISBN: XXX-XX-XXXXX-XX-X

Library of Congress Cataloging in Publication

Contents

"हसरतें"–श्रीमती आभा सन्ड जी की कृति पर एक दृष्टि vii

'हसरतें'–मन की गहन भावनाओं का संग्रह. x

परिचय (लेखिका) xi

अपनी बात. xii

बेवफा सनम 1

परछाईं. 2

मोहब्बत की जुबां 3

मोहब्बत की गुज़ारिश 4

तेरी तस्वीर 5

मन्नत 6

गुस्से का प्यार. 7

सुन्दर परी 8

बेचैन यादें 9

खोया होश 10

पल भर की खुशियाँ 11

बेइंतेहा मोहब्बत 12

यादों में खो रही हूँ. 13

मेरा वजूद 14
संगदिल सनम 15
दिल के छाले. 16
जुदाई 17
मालिक (परवरदिगार) 18
मुट्ठी में रेती 19
न गिला न शिकवा. 20
कश्ती 21
प्यार का आगाज़. .22
सहमी सी ज़िन्दगी. 23
कदम बोसी. 24
बागा बहारें 25
सीने का गम. 26
नज़र बंदी 27
दामन के फूल 28
तमन्ना. 29
टूटी कश्ती 30
इश्क की दरिया 31
जवानी 32
सच का फ़लसफ़ा. .33
यों सुर्खरू हो गया कोई 34
पत्थर पिघल गया .35

इश्क का ख्वाब. 36
तसल्ली और सुकून 37
ज़िन्दगी वीरान सी है|. 38
काँटों का दर्द. 39
कोशिश. 40
संगदिल सी दुनियां. 41
चाहत 42
अलविदा 43
आँसू न बहाएँगे 44
परवाने जैसी झलती हैं. 45
हाथ थामों आज भी 46
गम जुदा जुदा .47
फटा आंचल 48
जी पाऊंगी 49
मोहब्बत न करना 50
छोड़कर जिस्म को जिगर चल दिया 51
बेदर्दी का आलम. 52
समाँ बदल गया 53
माँ. 54
रूह और मिट्टी .55
तन्हा जीवन 56
रंगमंच 57

हूरों की दुनियां 58
सच्चा दिलबर 59
तन्हा यादों की बाती 60
साथ नहीं निभाता है 61
न पूछो. 62
उल्फ़त 63
शिद्दत से बुला के देखो. 64
मोहब्बत की फितरत. 65
किस लिए? 66
गम अकेला सालता है क्यों?. 67
सोहबत. 68

बेवफा सनम

जब तुमको मिले बेवफा सनम,
तब घबरा के होश न खोना तुम,
ऐसे जब होश को खोना तुम,
तब होश में ना ला पाए कोई|

परछाईं

मंज़िल है तेरी दूर यहाँ,
तेरा राह गुज़र भी कोई नहीं|
तू क्यों बेचैन राहें तकती है?
ये तेरी ही सहमी परछाईं है|

मोहब्बत की जुबां

चूं तो जुबां हैं हज़ारों लाखों मगर
एक मोहब्बत की जुबां तू ही कह
गरचे नैनों की जुबां कोई पढ़ सके,
वह मोहब्बत की दरिया में डूब के तैर गया|

प्यार में गुफ्रश का मज़ा कुछ नहीं,
कुछ न बोलो तो भी है सज़ा कुछ नहीं,
बस झुका लो नज़र को समझ जाएंगे|
दिलों की धड़कन को महसूस कर जाएंगे|
क्या है दिल में तुम्हारे कहो ना कहो|
तेरी आहों की तापिश से समझ जाएंगे|

मोहब्बत की गुज़ारिश

मौत को भी लगा लेंगे सीने से हम
गर नज़र में तेरी बेरुखी दिख गई|
लोग कहते हैं तू है बेवफा,
पर मेरे दिल को होता यकीं क्यों नहीं|

बस यही इल्तजा है जनाज़े पे तुम,
आके रोना नहीं और सुबकना नहीं,
एक गुलाबों का दस्ता लिए हाथ में,
मेरे पर चढ़ाना पर मुड़ना नहीं|

तेरी तस्वीर

तेरी तस्वीर को दिल में रखे हुए,
प्यार की दास्ताँ को छुपा जाएंगे।
गरचे तेरा तसव्वुर कभी जो हुआ,
तो खुदा की कसम जां लुटा जाएंगे।

You’ve Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: https://store.prowesspub.com